

# ठेकेदारों के “पूल” वाले 6.25 करोड़ के टैंडर ऊंची दर आने के कारण 25 जुलाई को ही निरस्त कर दिए थे : जेडीए आयुक्त

**सूत्रों का कहना है कि यू.डी.एच. मंत्री झाबर सिंह खर्चा ने जे.डी.ए. आयुक्त से प्राप्त रिपोर्ट पर असंतुष्टि व संदेह जताया है कि, इस प्रकरण**

**पर मैंने 26 जुलाई को संज्ञान लिया था, इसके बाद बैकडेट में 25 जुलाई की तारीख पर टैंडर निरस्त करने के आदेश निकाले गए हैं।”**

जयपुर (कास)। जयपुर विकास प्राधिकरण की उद्यान शाखा में ठेकेदारों और अफसरों की संटानगढ़ से कारोड़ 8. रु. का घोटाला करने की कोशिश की भाँडाहोड़ी हो गयी है। “बन टाइम ट्री लाइटेंस” के 6.25 करोड़ रु. के जिन 4 टैंडरों को ठेकेदारों ने “पूल” वालकर 15 से 20 फौसदी ऊंची दरों पर उड़ाने की कोशिश की थी, बह जे.डी.ए. प्रशासन ने रह कर दिए हैं। क्योंकि गत वर्ष पौधोरोपण के यही कार्य 5.25 प्रतिशत कम रेट पर ठेकेदारों को दिए थे। ऐसे में इस बार दरों कीरीब 2.5 गुण ज्यादा थी।

“राष्ट्रद्वारा प्रकाशित इस गड़बड़ाले की खबर पर संज्ञान लेते हुए नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्च असंतुष्ट हो गए थे। उन्होंने इस जवाब पर मंत्री खर्च असंतुष्ट हो गए हैं। उन्होंने

जे.डी.ए. प्रशासन को आदेश दिए थे कि इस प्रकार में ठेकेदारों की दर संबंधी बोलियों पर एल.ओ.आई. अथवा ए.ओ.ए. सम्बन्धित कई भी कार्यवाही विना अनुमति नहीं की।

3 दिन में रिपोर्ट भी प्राप्त करने को कहा था।

यू.डी.एच. मंत्री के आदेश के तुरंत बाद जे.डी.ए.

प्रशासन ने इन टैंडरों की निरस्त कर दिया।

सूत्रों का कहना है कि, जे.डी.ए. की उद्यान विंग में गड़बड़ी का यह

मामला उजागर होने के बाद जल्द ही नगरीय विकास मंत्री

निर्मादर अधिकारी-कर्मचारियों पर कार्रवाई कर सकते हैं।

संदेह जताया है कि जैसे ही 26 जुलाई को

मैंने इस प्रकार में संज्ञान लिया, उसके बाद

अधिक होने के कारण निर्विवाद 25 जुलाई को

करके उस पर 25 जुलाई की तारीख अकित

प्रतिक्रिया की ओर बढ़ने की अवश्यकता होती

है, कि ठेकेदारों की गई है। खर्च का कहना है कि, ठेकेदारों

की गई है। खर्च का कहना है कि, ठेकेदारों

है, परंतु उपापन प्राधिकारी ने कदाचित

है कि, इस मामले का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष

बड़ी कार्रवाई की जायेगी।

■ “राष्ट्रद्वारा” में प्रकाशित खबर को सही मानते हुए, नगरीय विकास मंत्री ने भी माना कि, 6.25 करोड़ के पौधोरोपण के ठेकेदेने की आइ में करीब 3 करोड़ रु. का घोटाला होता, लेकिन तुरंत संज्ञान लेने के कारण अफसरों को यह निविदाएं निरस्त करनी पड़ी।

■ सूत्रों का कहना है कि, जे.डी.ए. की उद्यान विंग में गड़बड़ी का यह

मामला उजागर होने के बाद जल्द ही नगरीय विकास मंत्री

निर्मादर अधिकारी-कर्मचारियों पर कार्रवाई कर सकते हैं।

संदेह जताया है कि जैसे ही 26 जुलाई को

मैंने इस प्रकार में संज्ञान लिया, उसके बाद

होने पर इस नियम में आर.टी.पी.आर-

69 (6) में बौद्ध अग्रिम कार्यवाही प्रति

प्रतिक्रिया की ओर बढ़ने की अवश्यकता होती

जाए तो कम से कम 3 करोड़ रु. का घोटाला

पीक सीजन निकल चुकी है, इसका

जैसे रोक दिया गया है। मंत्री खर्च का कहना है कि, इस मामले का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष

बड़ी कार्रवाई की जायेगी।

यह भी है कि जयपुर विकास प्राधिकरण के खबर एक्सपोज़ होने के भय से निविदा के ठेकेदारों व अफसरों के इस गड़बड़ाले की खलते विवाह होता जाता है।

भैंट मानसून का जलाई माह चढ़ गया है।

कर दी। इसे जारी होने के बिना में “पूल” के दृष्टिकोण निविदा की दिनांक

“गुरुवार” की ओर संहीन हथा, वह सही था।

यू.डी.एच. मंत्री खर्च ने कहा कि, लिया जा सकता था, जेडीए प्रशासन पन्तु

संज्ञान लेने के कारण जयपुर विकास प्राधिकरण के द्वितीय में संटीक विवाही संभव हुई है।

यू.डी.एच. मंत्री खर्च ने कहा कि, लिया जा सकता था, जे.डी.ए. प्रशासन पन्तु

राष्ट्रद्वारा पर विवाही के लिया जा सकता था, जे.डी.ए. प्रशासन पन्तु

उत्तराधिकारी के लिया जा सकता था, जे.डी.ए. प्रशासन पन्तु

की कुल संख्या लगभग 77 हजार 500 है। उन्होंने बताया कि वितर वर्ष 2025 की प्रतिवादी के लिया जा सकता था, जे.डी.ए. प्रशासन पन्तु

राष्ट्रद्वारा पर विवाही के लिया जा सकता था, जे.डी.ए. प्रशासन पन्तु

की जुलाई माह चैत्री था।

जे.डी.ए. की उद्यान विंग में होने वाला था, जे.डी.ए. प्रशासन पन्तु

उत्तराधिकारी के लिया जा सकता था, जे.डी.ए. प्रशासन पन्तु

की कोशिश में थे, उनके खिलाफ जल्द ही

कुल जमाराश अब 1.33 लाख करोड़ रुपए हो गई है, जबकि कुल एडवांस 1.26 लाख करोड़ रुपए है।

## “सुरंगो सावण” कार्यक्रम में लहरिया पहनकर झूमी महिलाएं



जयपुर। गणगौर महिला गुप्त की ओर से आयोजित “सुरंगो सावण” कार्यक्रम में महिलाओं ने सावण के लोकारोग और लोकधूमों पर जबरकर नृत्य किया।

युप की फांकड़र और डायरेक्टर सुशीला भरती ने बताया की सभी

महिलाएँ पारंपरिक रंग बिरंगे हो गई। पुलिस

महिलाएँ गणगौर महिला गुप्त की ओर से

पोशाक में नजर आई। सभी महिलाओं

ने हाथों में घंटाएँ लगाए और विशेष

राजस्थानी शुंगार किया। इटलाती हुई

महिलाओं ने जांच भरने पर उत्तराधिकारी

को बताया की ओर आयोजन की तारीख

पर उत्तराधिकारी की मौत हो गई।

पुलिस के ठेकेदारों को खिलाफ दिया गया।

पुलिस ने बताया कि दूसरे एक

कार्यक्रम की मौत हो गई।

उसके पास विवाह करने वाले

शंकर को बताया कि वह पुलिस के लिया

गुरुवार की ओर से उत्तराधिकारी

को बताया कि वह अपने परिवार के साथ

शंकर के बिना करना चाहता है।

वह अपनी पत्नी व दोनों बेटों के साथ

यहां रहने आया था। 26 मई की शाम

मजदूरी के लिए पंकज को पुराणी चुंगी

को उक्ता 13 साल का बेटा दिया गया।

मालापाली की लाला लाला लाला पार ले गया।

जयपुर को मौत हो गई।

पुलिस को मौत हो गई।